卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवहि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

# उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 34 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦10 नवम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

## तीन परिवारों में मातम में बदली त्यौहार की खुशियां

# हादसे में दो की मौत, एक घायल

### देर रात बाईपास मार्ग पर हुआ दर्दनाक हादसा

किच्छा(उद संवाददाता)।हल्द्वानी बाईपास मार्ग पर दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी जबकि एक घायल है। घायल को अस्पताल भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसा बृहस्पतिवार देर रात हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार हल्द्वानी बाईपास रोड पर शनि मंदिर के पास देर रात करीब साढ़े 11 बजे सड़क हादसे की सूचना पर उपनिरीक्षक सतीश कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर बाईक संख्या यूके 06एवी 2142 क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी थी। पास ही तीन लोग घायल अवस्था में पड़े थे। तीनों को एंबुलेंस की मदद से पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गयी। जहां दो घायलों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों में एक की पहचान 24 वर्षीय रवि राठौर पुत्र दया शंकर निवासी पंजाबी मोहल्ला, किच्छा और दूसरे की पहचान 43 वर्षीय उदय राज पुत्र राम अचल निवासी शंकरपुर बेलघाट गोरखपुर के रूप में की गयी। जबकि घायल की पहचान राम सिंह यादव के रूप में हुयी है। उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। बताया जा रहा है कि मृतक रवि राठौर बाईक पर सवार था। जबकि दूसरा मृतक उदय राज ट्रक संख्या यूपी 53 एचडी 3758 का चालक था। उसका ट्रक घटना स्थल के पास ही पार्किंग में खड़ा मिला है। बताया जाता है कि घटना के वक्त ट्रक चालक अपने साथी राम सिंह यादव के साथ ढाबे पर खाना खाने के (शेष पृष्ठ सात पर)

# घायल निजी अस्पताल संचालक ने तोड़ा दम

काशीपुर(उद संवाददाता)। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। मृतक मेडिकल लाइन से जुड़ा

था। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक मोहल्ला आर्य नगर निवासी 28 वर्षीय हर्ष कक्कड़ पुत्र सुरेंद्र कुमार पिछले कुछ वर्षों से मेडिकल लाइन से जुड़ा था। लगभग एक वर्ष से उसने खटीमा में पार्टनरशिप में आनंद हॉस्पिटल संचालित किया। बीते 7 नवंबर को वह अपनी क्रेटा कार से काशीपुर से खटीमा जा रहा था इसी दौरान रात्रि में लगभग 11:30 बजे खटीमा बाईपास के समीप कार अचानक असंतुलित होकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक्सीडेंट में उसके (शेष पृष्ठ सात पर)

# धनतेरस पर बाजार में हुई धन वर्षा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दीपावली पर्व से पूर्व आज धनतेरस पर्व पर नगर के

व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर मां लक्ष्मी ने कृपा करते हुए खूब धन वर्षा की। जिससे व्यापारियों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। बाजार में स्थित ज्वैलर्स, बर्तन, मिठाई, ऑटो व्हील्स, कपड़ा, सजावटी सामान, पूजा सामग्री, इलैक्ट्रोनिक्स आदि प्रतिष्ठानों पर प्रात: से खरीददारों का आना शुरू हो गया था। इस मौके पर कई बाजारों को व्यापारियों द्वारा रोशनी व सुन्दर मालाओं से सजाया (शेष पृष्ठ सात पर)

# गदरपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी के खिलाफ चिकित्सकों ने खोला मोर्चा

गदरपुर (उद संवाददाता)। गदरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी एक बार फिर विवादों में घिर गये हैं। अस्पताल के ही बाल रोग विशेषज्ञ ने उन पर गाली गलौच करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। घटना से भड़के स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक आज हड़ताल पर चले गये। जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रभारी चिकित्सा धि कारी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

पुलिस को सौंपी तहरीर में स्वास्थ्य केन्द्र के बाल रोग विशेषज्ञ डा. विवेक सिंह ने कहा है कि वह पिछले तीन माह से स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात हैं। उनकी 24 घंटे आकस्मिक ड्यूटी है। बताया कि गुरूवार को शाम सवा सात बजे उन्हें प्रभारी चिकित्साधि कारी डा. एस के सरना ने अपने आफिस में बुलाया। जब वह आफिस पहुंचे तो प्रभारी चिकित्साधिकारी नशे में थे। उन्होंने अभद्र एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए गाली गलौच की और गोली (शेष पृष्ठ 7पर)

# अबकी बार 'छह दिनों' का होगा 'दीपोत्सव'

### इस धनतेरस अरसे बाद बन रहे पांच विशिष्ट योग, प्रीत योग भी बनाएगा धनतेरस को खास

-अर्श-

रूद्रपुर। आमतौर पर दीपावली उत्सव पांच दिनों तक ही चलता है ,लेकिन तिथियों के भुग्त भोग्य यानि घटने बढ़ने के कारण इस दफे का दीपोत्सव पांच के बजाय छह दिन चलेगा। दीपावली महापर्व की शुरुआत शुक्रवार 10 नवंबर 2023 को धनतेरस से होगी।इस बार छोटी दीपावली या रूप चौदस का आरंभ 11 नवंबर को दोपहर 1:57 पर होगा और यह तिथि 12 नवंबर को दोपहर 2:44 पर समाप्त होगी। क्योंकि रूप चतुर्दशी को रूप निखारा जाता है और इस हेतु सुबह स्नान करने की परंपरा है, इसलिए उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए रूप चौदस रविवार 12 नवंबर 2023 को मनाई जाएगी और इसी दिनअर्थात रविवार 12 नवंबर 2023 को दीपावली भी मनाई जाएगी ।अन्नकूट व गोवर्धन पूजा मंगलवार 14 नवंबर 2023 होगी तथा बुधवार 15 नवंबर 2023 को भैया दूज के साथ ही इस महापर्व का सामापन हो जाएगा। हर बार की तरह दीपावली महापर्व का आरंभ धन्वंतरि

जयंती अर्थात धनतेरस से होगा। धनतेरस पर अबकी बार लगभग 59 वर्षों के बादबन रहे पांच विशिष्ट योग गजकेसरी, हर्ष, उभयचारी, दुर्धरा और धनलक्ष्मी योग बेहद खास रहेंगे। इन पांच विशेष योगों के फल स्वरूप देश एवं जनमानस को सुख समृद्धि की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त धनतेरस को शुक्रवार का दिन होने एवं चंद्रमा और शुक्र ग्रह के एक साथ गोचर करने से धनतेरस को एक अद्भुत संयोग भी बन रहा है। साथ ही धनतेरस पर बनने वाला प्रीत योग धनतेरस को इस बार की धनतेरस को और भी फलदाई बना देगा ।यह योग शाम 05:06 बजे के बाद बन रहा है तथा पूरी रात रहेगा। इस योग में पूजा करने से साधक को अनंत फल की प्राप्ति होगी। यह अवधि खरीदारी के लिए भी अच्छी है साथ ही इस योग में सभी प्रकार के शुभ कार्य किए जा सकते हैं।धनतेरस ,जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं, पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव का पहला दिन होता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती (शेष पृष्ठ सात पर)

# आरएएन के विद्यार्थियों ने किया फ्रांस का शैक्षिक भ्रमण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आरएएन स्कूल के विद्यार्थियों ने 30 नवम्बर से 7 नवमबर तक अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक भ्रमण के तहत फ्रांस का दौरा किया। जिसमें कक्षा ग्यारहवीं के 10 विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्या श्रीमती भावना भनोट तथा अध्यापिका पूनम जोशी के साथ फ्रांस के अनेक स्थलों का भ्रमण किया तथा वहां की सभ्यता और संस्कृति को जाना। फ्रांस में उन्होंने अपनी भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए लेसी शुगर स्कूल विद्यालय के समक्ष अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया और वहां उपस्थित सभी विद्यार्थियों तथा माननीय गणों का दिल जीत लिया। यह यात्रा अत्यंत रोमांचकारी रही। विद्यार्थियों को अनेक ऐसे अनुभव प्राप्त हुए जो अत्यंत लाभदायी थे। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक भ्रमण को महत्वपूर्ण संस्मरण माना, जिसे वह कभी भी नहीं भूल पाएंगे। विद्यार्थियों की वापसी पर विद्यालय संस्थापक विंग कमांडर एच.के. राय, संचालक मोहित राय, संचालिका श्रीमती निधि राय ने विद्यालय में उपस्थित रहकर उन सब का स्वागत कर किया। समस्त अभिभावक गण तथा विद्यार्थियों ने विद्यालय प्रबंधक विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

# कांग्रेसजनों ने मनाया राज्य स्थापना दिवस

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जिला एवं महानगर कांग्रेस ने स्वराज आश्रम में देवभूमि उत्तराखंड का 24 वां राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, महानगर अध्यक्ष एडवोकेट प्रदेश उपाध्यक्ष शोभा बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि जीवन कार्की, राजेन्द्र उपाध्याय गोविन्द बगढ़वाल, मीमांशा आर्य ने कहा आज उत्तराखंड को बने 23 साल बीत चुके है। आज भी हमारे पहाड़ो के हालात जस के तस बने हुए है। अलग पहाड़ी राज्य की परिकल्पना स्वराज आश्रम को गुंजायमान कर दिया तथा राज्य आंदोलनकारियों की परिकल्पना के अनुरूप उत्तराखंड राज्य के पुन:निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष हेम पांडे, मोहन बिष्ट, बहादुर सिंह बिष्ट, पार्षद राजेन्द्र जीना, हेमन्त साहू, नवीन सांगूड़ी,

गोविन्द बिष्ट, पीसीसी सतीश नैनवाल, महेश शर्मा, हरीश सिंह मेहता ने कहा जिन परिकल्पनाओं को लेकर अलग उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ वो परिकल्पनाएं साल दर साल धुमिल होती जा रही है।पहाड़ो से पलायन की दर बढ़ती जा रही है। उचित शिक्षा और समुचित स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में पहाड़ खाली होते जा रहे है। महिला अधूरी रह गयी। उत्तराखंड बनने का फायदा आम जनमानस के विपरीत राजनेताओं और अफसरशाही को ज्यादा हुआ है। हमनें इस उत्तराखंड की परिकल्पना को लेकर अलग राज्य की लड़ाई नही लड़ी थी। राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान सभी ने राज्य आंदोलन के शहीदों को याद करते हुवे जय देवभूमि उत्तराखंड के नारों से संदीप भैसोड़ा, सौरभ भट्ट, कमला तिवारी, मीमांशा आर्य, प्रीति आर्य, सुशील डुंगरकोटी, विजय सिजवाली, संजू तिवारी, जीवन बिष्ट, पूरन बिष्ट, नरेंद्र पनेरू, नरेंद्र खनी, खीमानंद पांडे, प्रताप बर्गली, राजेन्द्र उपाध्याय, अवध विहारी जी, गणेश टम्टा, प्रमोद सनवाल, त्रिलोक बनोली, अरसद अली, मनोज शर्मा, ताहिर हुसैन आदि उपस्थित रहे।

# इंटर कालेज में धूमधाम से मनाया राज्य स्थापना दिवस

सितारगंज(उद संवाददाता)। राजकीय इंटर कॉलेज जैना में राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। रंगारंग कार्यक्रमों के साथ ही विद्यार्थियों ने प्रभात फेरी निकाली।प्रधानाचार्य कुलवंत सिंह बल ने कहा कि राज्य स्थापना में शहीद होने वाले महापुरुषों के हम हमेशा ऋणी रहेंगे आज हम जो भी है उन शहीदों के बलिदान का परिणाम है उत्तराखंड पहला राज्य है जिसका निर्माण बलिदान के बल पर हुआ है उत्तराखंड की विश्व पटल पर पहचान बनी है। उत्तराखंड निरंतर प्रगति पर है आज

विश्व पटल पर उत्तराखंड के जवान खिलाड़ी अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर विद्यार्थी पोस्टर आदि बनाकर भी लाये मतदान जागरूकता हेतु विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई तथा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंटर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर चारु चंद्र पांडे, सुधा शर्मा, जगदीश प्रसाद, सुरेश चंद्र आर्य, कमल कुमार, भास्कर त्रिपाठी, श्रीमती रेनू पांडे, कृतिका जोशी, सचिन शर्मा, ममता उपाध्याय, गोविंद लाल वर्मा, भूपाल चंद्र फुलारा, प्रदीप बिष्ट, हरिश्चंद्र सिंह राणा आदि उपस्थित रहे।

# मुख्य सचिव ने मांगी सभी स्थानीय निकायों में कूड़ा वाहनों की रिपोर्ट

देहरादून(उद संवाददाता)।मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने गत दिवस सचिवालय में प्रदेश के सभी स्थानीय निकायों में ठोस कूड़ा प्रबन्धन के सम्बन्ध में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को ठोस कूड़ा प्रबंधन के लिए कार्य योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी स्थानीय निकायों

से 100 प्रतिशत सेग्रीगेशन ऐट सोर्स लागू किया जाए। मुख्य सचिव ने सभी स्थानीय निकायों में कूड़ा उठाने वाले वाहनों की संख्या की जानकारी माँगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों के लिए आवश्यक वाहनों की शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों से बड़े डस्टबिन हटाए जाने चाहिए। उन्होंने सभी यूएलबी से आवासीय भवनों, व्यावसायिक भवनों और संस्थानों से श्रेणीवार घर-घर से कूड़ा उठाने और कूड़े का स्रोत से पृथक्करण (सेग्रीगेशन एट सोर्स) की रिपोर्ट भी तलब की। मुख्य सचिव ने पेयजल निगम द्वारा संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सम्बन्ध में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी एसटीपी का थर्ड पार्टी सर्वे और रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर के सुधांशु सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# राष्ट्रपति मुर्मू ने राजभवन में नवनिर्मित शिव मंदिर परिसर का किया लोकार्पण

देहरादून(उद संवाददाता)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गुरूवार को राजभवन में नवनिर्मित शिव मंदिर परिसर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने राजप्रज्ञेश्वर शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख, समृद्धि और लोक कल्याण की कामना की। राजभवन स्थित राजप्रज्ञेश्वर शिव मंदिर परिसर में रॉक गार्डन तैयार किया गया है, जिसमें पिथौरागढ़ स्थित ऊँ पर्वत की प्रतिकृति बनाई गई है। मंदिर परिसर के चारों ओर परिक्रमा पथ के रूप में एक्यूप्रेशर ट्रैक का भी निर्माण किया गया है। राष्ट्रपति ने नवनिर्मित परिसर में भ्रमण किया और सौंदर्यीकरण के कार्यों की सराहना की। गौरतलब है कि राजप्रज्ञेश्वर मंदिर मे स्थापित शिवलिंग हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित प्रज्ञेश्वर शिवलिंग के साथ मिले 9 शिवलिंग में से एक है। नर्मदा नदी में प्रज्ञेश्वर महादेव के साथ 9 अन्य शिवलिंग एक साथ मिले थे जिन्हें पहले देव संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में रखा गया था। इन 9 शिवलिंग में से एक शिवलिंग अमेरिका के कैलीफॉर्निया और एक ह्यूस्टन में स्थापित किया जा चुका है। जबकि तीसरे शिवलिंग की स्थापना राजभवन में की गई है। मंदिर में भगवान शिव-पार्वती, श्री गणेश, भगवान कार्तिकेय और नंदी जी की प्रतिमाएं विराजमान हैं। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती गुरमीत कौर, सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव श्री राज्यपाल श्रीमती स्वाति एस. भदौरिया, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता दिवाकर धस्माना, अपर सहायक अभियंता अमित सेमवाल आदि उपस्थित थे।

# आशुतोष टण्डन को दी श्रद्धांजलि

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।उत्तर प्रदेश लोकतन्त्र सेनानी संघ के प्रदेश महासचिव तथा लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री सुभाष चन्द्र छाबड़ा ने उत्तरप्रदेश के पूर्व नगर विकास मंत्री आशुतोष टण्डन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे राज्य भाजपा तथा युवाओं के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है। एडवोकेट छाबड़ा ने कहा स्वर्गीय टण्डन एक लोकप्रिय नेता थे और पारम्परिक रूप से संघ परिवार के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उन्होंने मंत्री के रूप में राज्य को नई दिशा दी तथा उत्तर प्रदेश को विकास की दिशा में ले जाने के लिए निरंतर कार्य किया। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व दर्जा राज्यमंत्री राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि वे हमारे अभिन्न साथी थे हमने एक सुयोग्य कार्यकर्ता और नेता खो दिया। उत्तर प्रदेश लोकतन्त्र सेनानी संघ ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुख की घड़ी में खुद को परिवार के साथ जोड़ा है।

# मेयर ने की नहर कवरिंग कार्य की समीक्षा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नहर कवर कर रोड निर्माण कार्य नैनीताल रोड से नवाबी रोड तक के कार्य प्रगति की समीक्षा महापौर डॉ जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला द्वारा की गई। समीक्षा में ड्रैन के निर्माण हेतु संयुक्त निरीक्षण करते हुए उपयुक्त ड्रैन का निर्माण कराने के निर्देश दिए गए। रोड सरफेस को उपयुक्त तरीके से निर्माण करने की अनुमति सक्षम

स्तर से प्राप्त करके निर्माण करने के निर्देश ईई लोनिवि को दिए गए। ईई हाईडिल से अपेक्षा की गई कि 20 नवंबर तक पोल हटाने का का कार्य पूर्ण करें। बैठक मे ईई जल संस्थान, ईई सिंचाई, नगर आयुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम आदि उपस्थित थे।

# सीओ सिटी ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस से ज्वेलर्स को किया सचेत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सीओ सिटी ने ज्वेलर्स एसोसिएशन एवं हल्द्वानी सर्किल के थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी के साथ आनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सचेत करते हुए उन्हें सुरक्षा के दृष्टिगत सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सभी ज्वेलर्स को प्रतिष्ठान में सीसीटीवी कैमरा को चौबीसों घण्टे चालू हालत में रखने को कहा। संदिग्ध व्यक्ति दुकान के आसपास देखने पर तत्काल संबंधित चौकी, थाना एवं डायल 112 पर सूचना दें। उन्होंने सभी दुकानदारों को निर्देशित किया कि वह अपने सिक्योरिटी गार्ड को भी एक्टिव मोड पर रखेंगे तथा आने जाने वाले व्यक्ति से पूछताछ, पहचान पत्र आधार कार्ड अवश्य चेक करें। ज्वेलर्स शॉप में किसी भी मास्क पहनें एवं हेलमेट पहने हुए व्यक्ति को दुकान में न आने दे। पटेल चौक एवं मुख्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस द्वारा सादे वस्त्रों ड्यूटी लगाने हेतु थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया। पुलिस कमांड कंट्रोल रूम सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से बाजार की बारीकी से निगरानी रखने हेतु सीसीटीवी कंट्रोल रूम में अतिरिक्त कांस्टेबल को धनतेरस एवं दीपावली पर्व तक नियुक्त किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस द्वारा बाजार एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों में ड्रोन कैमरे से भी बाजार की मॉनिटरिंग पुलिस टीम द्वारा की जाएगी।

# कोलम्बस स्कूल में किशोरावस्था स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। स्थानीय मॉडल कॉलोनी स्थित शहर के प्रतिष्ठित कोलम्बस पब्लिक स्कूल के सभागार में विद्यालय के इंटरैक्ट क्लब के सौजन्य से किशोरावस्था स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के फुटेला अस्पताल से पधारी नगर की मशहूर प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 अनुपमा रवि फुटेला एवं डॉ0 शिवकी ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की।सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार जी ने दुशाला ओढ़ाकर एवं पुष्पगुँज भेंट कर मुख्य वक्ताओं का औपचारिक स्वागत किया। तत्पश्चात् मुख्य वक्ताओं ने विद्यालय की कक्षा 6 से 8 वीं की छात्राओं को किशोरावस्था स्वास्थ्य एवं

मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर व्याख्यान दिया। सर्वप्रथम डॉ. शिवकी ने अपने प्रेजेंटेशन में किशोर स्वास्थ्य के बारे में बात की। उन्होंने किशोरावस्था के साथ आने वाले शारीरिक, मानसिक व हार्मोनल परिवर्तनों के बारे में खुलकर बात की। अपनी बातचीत के माध्यम से उन्होंने बढ़ती उम्र में आने वाले ऐसे बदलावों से निपटने के सही तरीके पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् डॉ0 अनुपमा रवि फुटेला जी ने छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि लड़कियों में मासिक धर्म का होना स्वाभाविक एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसकी नियमितता स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि मासिक धर्म के दौरान सेहत और स्वच्छता का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है, और अपने व्याख्यान में इसके तौर तरीकों पर छात्राओं से जानकारी साझा की।अपने सम्बोधन के पश्चात् वक्ताओं ने सभागार में मौजूद बालिकाओं से प्रश्न आमंत्रित किए। प्रश्नकाल के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने उक्त प्रकरण से सम्बंधित अनेक सवाल पूछे जिनका मुख्य वक्ताओं द्वारा बड़े ही रूचिपूर्वक अंदाज से जवाब देकर छात्राओं की जिज्ञासाओं को शांत किया गया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार खेड़ा ने कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य किशोरावस्था की छात्राओं में उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना व ऐसे समाज का निर्माण करने का प्रयास है जहाँ मासिक धर्म स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाए तथा कन्याओं के समग्र विकास को बढ़ावा मिले। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय की उपप्रधानाचार्या डॉ0 कामेश मित्तल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए मुख्य वक्ताओं का धन्यवाद कर कार्यक्रम का समापन किया। इस दौरान विद्यालय इंटरैक्ट क्लब की सलाहकार श्रीमती अनुप्रिया अरोरा सहित विद्यालय की अन्य शिक्षिकाएँ मौजूद रहीं।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बडे पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

100 से 400 गज तक के प्लाट
100,160, 200 गज विला
खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

# गला दबाकर की थी पार्थ की हत्या

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बीते दिनों युवक के उसी की कार में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव के मामले में अब महत्वपूर्ण खुलासा होने की उम्मीद जगी है। मुखानी थाना क्षेत्र में गत 31 अक्तूबर को कार में मृत मिले पार्थ सिंह सामंत की मुंह और गला दबाकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हो गई है। एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने मामले में जांच टीम गठित की है। हालांकि घटना वाले दिन पुलिस जहर खाकर मौत होना मान रही थी।गौरतलब है कि कठघरिया बच्ची नगर निवासी पार्थ सिंह सामंत (23 वर्ष) का शव 31 अक्तूबर की देर रात कालाढूंगी रोड पर उसकी कार में पड़ा मिला था। पार्थ की मां गीता ने बताया कि पार्थ 31 अक्तूबर की रात खाना खाकर करीब 10 बजे घर से अपनी कार में निकला था। पूछने पर दोस्तों के पास जाने की बात कही थी।देर रात फोन किया तो बोला कि जल्दी घर पहुंच रहा हूं। सूचना पर उसे खोजने के लिए निकली महिला मित्र को युवक की कार आरके टेंट हाउस रोड स्थित प्लाट की पार्किंग में खड़ी मिली और पार्थ कार में बेसुध पड़ा था। महिला मित्र ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब ये पता लगा रही है कि पार्थ को कार में मारा गया या फिर कहीं और मारकर उसके शव को कार में रख दिया गया। पुलिस कार की भी जांच कर रही हैं।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए हैं। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में पार्थ की कार दो बार आती-जाती दिखी है। आरके टेंट हाउस रोड पर पहली बार रात करीब 11:30 बजे और दूसरी बार करीब 2:30 बजे पार्थ सिंह सामंत की कार देखी गई है। पुलिस को पार्थ के दो करीबियों पर शक है। गला दबाकर पार्थ की हत्या की बात सामने आने के बाद पुलिस गंभीरता से जांच में जुट गई है। पुलिस को मामले में कई अहम सुराग भी हाथ लगे हैं। पुलिस ये पता लगा रही है कि युवक घटना वाली रात किसके वहां रुका था। पुलिस युवक की कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन की भी जांच कर रही है। इधर युवक के परिजनों ने अब तक पुलिस को तहरीर नहीं सौंपी है। मुखानी थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने बताया कि परिजनों का फोन आया था कि वह जल्द ही तहरीर देंगे।

# बीज कमंडल का निर्माण कर बनाया विश्व रिकार्ड

## विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों ने किया प्रतिभाग

पंतनगर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के तेइसवें स्थापना दिवस पर उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, हल्दी में पर्वतीय बीज कमंडल निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 305 विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं परिषद के निदेशक डॉ. संजय कुमार सहित वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने दस मिनट में 3085 बीज कमंडल का निर्माण करके इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड एवं आशियन वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। निदेशक डॉ. संजय कुमार के मार्गदर्शन में उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आर.ए.एन पब्लिक स्कूल, रुद्रपुर, डी.पी.एस. रुद्रपुर एवं हल्द्वानी, हीरावती मधानन्द जोशी सरस्वती विहार स्कूल, शांतिपुरी, कैम्पस स्कूल, पन्तनगर के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, परिषद के कार्मिकों सहित 305 प्रतिभागियों ने मात्र दस मिनट में 3085 बीज कमंडल का निर्माण करके इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड एवं आशियन वर्ल्ड रिकॉर्ड से स्वीकृति प्राप्त किया है। यह रिकार्ड अन्तर्राष्ट्रीय वर्ल्ड रिकार्ड के प्रतिनिधि कौशल कुमार एवं प्रिया कुलश्रेष्ठ की देख रेख में संपन हुआ। निमार्ण किये गये बीज कमंडल को पर्वतीय क्षेत्रों में वितरित करके वनीकरण को बढ़ावा दिया जायेगा। यहां एन.सी.सी. के कमान अधिकारी एस.एस.राठौर, समन्वयक डा. सुमित पुरोहित, वैज्ञानिक डा. मणिन्द्र मोहन, डा. साक्षी पेन्यूली, अनुज कुमार, जितेन्द्र बोहरा, अनुज जॉन, सचिन शर्मा, ललित मिश्रा, केशव रावत, चन्द्रशेखर, मनोज शाह, सौरभ पंडा, मनोज कनवाल, भूपाल सिंह, हरेराम शर्मा, सरिता बिष्ट, बबीता, मेधा सिंह, चाँदनी जोशी, महेन्द्र, लक्ष्मण शाह, जितेन्द्र, सूरज, जीवन, विवेकानंद, का विशेष योगदान रहा।

# धनतेरस के दिन खरीदारी के लिए तीन शुभ मुहूर्त

देहरादून। धनतेरस पर्व पर सोने चांदी के आभूषण खरीदने के लिए लोगों में भारी उत्साह हैं। मान्यता के अनुसार इस दिन देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर उत्पन्न हुए थे। इसलिए इसे धनवंतरि जयंती भी कहा जाता है। करीब 59 साल बाद धनतेरस पर बन रहे पांच योग गजकेसरी, हर्ष, उभयचारी, दुर्धरा और धनलक्ष्मी योग बेहद खास रहेंगे। इन पांच विशेष योगों के फल स्वरूप देश एवं जनमानस को सुख समृद्धि की प्राप्ति होगी।

इन पांच योग में गजकेसरी, हर्ष, उभयचारी, दुर्धरा और धनलक्ष्मी योग हो रहे हैं। वहीं शुक्रवार का दिन व चंद्रमा और शुक्र ग्रह के एक साथ गोचर करने से यह एक अद्भुत संयोग बना रहा है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन से पांच पर्वों का प्रारंभ होता है जो कि भाईदूज तक चलता है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि, इंद्र, कुबेर, वरुण आदि की पूजा की जाती है। पंडित राकेश शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष धन्वंतरि धनतेरस पर पांच विशेष योग होने से यह त्योहार बेहद खास है। धनतेरस को सुबह सात से 12 बजे तक अभिजीत मुहूर्त विशेष शुभकारी है। दूसरा दोपहर 1:30 से तीन बजे के मध्य है, इस समय में शुभ की चौघड़िया व कुंभ लग्न विद्यमान है। तीसरा शाम छह बजे से रात नौ बजे के बीच शुभ और अमृत की चौघड़िया व वृष लग्न विद्यमान होगा। यह तीनों समय अवधि खरीदारी के लिए विशेष शुभ होगी।

# एनएसएस स्वयंसेवीओ ने मनाया राज्य स्थापना दिवस

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज के स्वयंसेवीयों ने उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवियों ने पहले विद्यालय परिसर, खेल मैदान तथा अन्य क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। तत्पश्चात रम्पुरा क्षेत्र में स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कंचन जोशी ने स्वयंसेवियों को आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ-साथ उन्होंने वर्तमान में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के बारे में जानकारी दी तथा छात्रों को उनके भविष्य में होने वाली चुनौतियों के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य दयाशंकर पांडे ने स्वच्छता के महत्व तथा उत्तराखंड के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्तराखंड राज्य के लिए शहीद हुए समस्त नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भविष्य में उत्तराखंड की अपार संभावनाओं के बारे में स्वयं सेवियों को जागरूक किया। विद्यालय के शिक्षक यतेंद्र सिंह यादव ने स्वयं सेवाओं को बताया कि किस तरह से उत्तराखंड दिन प्रतिदिन राष्ट्रीय पटल पर अपनी छाप छोड़ते हुए अग्रसर हो रहा है। कार्यक्रम में राजपति बिंद, कुलदीप कुमार गहलोत, कृपाल सिंह कंबोज, चंद्रिका प्रसाद यादव, बीके सिंह, कृष्ण राम आर्य सहित विद्यालय के अनेक शिक्षक तथा सभी स्वयं सेवी उपस्थित थे।

# भाजपाईयों ने दीप जलाकर दी शहीदों को श्रद्धांजलि

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी नगर द्वारा उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य आंदोलन में शहीदों को याद कर कालाढूंगी चौराहा पर दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। नगर अध्यक्ष भाजपा प्रताप रैक्वाल के नेतृत्व में कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में महापौर डॉ जोगेन्द्र पाल सिंह रौतेला, महामंत्री पंकज अधिकारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रेनू अधिकारी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विजयलक्ष्मी चौहान, जिला उपाध्यक्ष प्रतिभा जोशी, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, पूर्व नगर सोशल मीडिया प्रभारी कपिल अग्रहरि, नगर उपाध्यक्ष अमोल मेहरोत्रा, गीता जोशी, नगर मंत्री सुरेंद्र बिष्ट, योगेश राजौर, हिमांशु जोशी, रविंद्र बाली, वीरेंद्र जायसवाल, राशि जैन, डॉ. भावना गुप्ता, कमलेश जोशी, संतोष जायसवाल, मनोज आर्या, बीडी जोशी आदि समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

## PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VIVEK RANA S/O JAGT SINGH RANA residing at MILAK NAJIR, NANAKMATTA,UDHAM SINGH NAGAR, UTTARAKHAND-262311 declare that name of my mother has been wrongly written as GYANWATI DEVI in my 10th Class Educational Documents and as GYANWATI DEVI RANA in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my mother is Gyan Wati, whice may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

VIVEK RANA

# शहीदों के नाम से दिए व बत्ती के पैकेट बांटे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था द्वारा भारतीय सेना के शहीद जवानों के सम्मान में दीपावली की शुभ संध्या पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक दीया शहीदों के नाम से कालाढूंगी चौराहे में स्टॉल लगाकर इक्यावन हजार मिट्टी के दीये और बत्ती के पैकेट वितरण किए। इस दौरान संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू ने कहा कि भारतीय सेना के शहीद जवानों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। हम सभी को भी अपनी भारतीय सेना के प्रति निष्ठा आस्था रखते हुए हमेशा भक्ति भाव प्रकट करना चाहिए। इसलिए एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था भारतीय सेना के शहीद जवानों के सम्मान में एक दीया शहीदों के नाम से इक्यावन हजार मिट्टी के दीये और बत्ती के पैकेट बनाकर वितरण कर रही है। जिससे हम सभी दीपावली पर एक दीया शहीदों के नाम जलाकर अपने शहीदों को श्रद्धांजलि देकर उनके प्रति हमेशा भक्ति भाव प्रकट करें। इस दौरान दीये पैकेट बांटने में संस्था संरक्षक हरीश चन्द्र पाण्डेय, नन्दकिशोर आर्या, बलराम हालदार, हेमन्त कुमार साहू, पूर्णिमा रजवार, अलका टंडन, योगिता बनोला, प्रीती आर्या, रिंकी गुप्ता, पूजा लटवाल, बरखा शर्मा, ममता रावत, कुसुम बोरा, आशा शुक्ला, गौरी शर्मा, पूनम गुप्ता, सूरज मिस्त्री, अमन कुमार, रॉबिन भारती, नन्दकिशोर आर्या, मनीष साहू, कमलेश आर्या, पूजा जोशी, सुशील राय, संदीप यादव, सूरज कुम्हार, दीपक कुमार, मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

# सारथी फाउंडेशन ने बच्चों संग मनाई दीपावली

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। हर वर्ष की भांति इस बार भी सारथी फाउंडेशन समिति ने आंगनबाड़ी केंद्र के छोटे छोटे बच्चों एवं उनके परिवारिक जनों के संग दिवाली मनाने का निश्चय किया। इसी सिलसिले में इस बार सारथी परिवार ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय मल्ली बमौरी में बच्चों संग बड़े धूम धाम से दीवाली मनाई और सभी बच्चों को उनके माता पिता के साथ दिवाली की मिठाई, खीले, खिलौने, दिए, मोमबत्ती आदि देकर दिवाली कार्यक्रम मनाया। इस अवसर पर बच्चों के माता पिता एवं स्कूल की प्रधानाध्यापक ने सारथी परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि आज तक इस तरह से उनके साथ किसी ने दिवाली पर्व को नहीं मनाया। स्कूल के बच्चों संग राज्य स्थापना दिवस भी मनाया गया। सभी बच्चों मैं मिस्ठान वितरण कर राज्य की समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक संयोजक नवीन पन्त ने आये हुए सभी लोगों का आभार प्रकट कर सफल कार्यक्रम के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम का संचालन समन्वयक ज्ञानेंद्र जोशी ने किया। कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र जोशी,पार्षद विनोद दानी, अमरजीत सिंह सेठी, प्रदीप सबरवाल, योगेश पांडे, जाकिर हुसैन, केतन जायसवाल, दीक्षा पंत पांडे, पूजा पंत, मंजू सनवाल, शीला भट्ट, तारा बिष्ट, हेमा जोशी, गीता बेलवाल, रंजना जोशी, सोना तिवारी, मीना साही, मोनिका लोहनी, राधिका बोरा, कमला नेगी, देवीदत्त सुयाल, भवानी शंकर सूठा,जय प्रकाश, आनंद आर्य, विवेक, कृतिका, सोनू आदि उपस्थित रहे।

# राज्य आंदोलनकारियों को किया सम्मानित

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर नगर निगम सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में मेयर रामपाल सिंह एवं मुख्य नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल ने राज्य जोशी, कमला बुधानी, मालती कांडपाल, अवतार सिंह बिष्ट को मेयर रामपाल सिंह एवं नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल ने माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मेयर रामपाल सिंह

आंदोलनकारियों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। नगर निगम सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू, अनिल चौहान, बलराज सिंह राज ,महेंद्र सिंह धानक, सुनील चौहान, महेश पंत,माधवानंद जोशी, एसके नैय्यर, पीसी शर्मा, श्रीमती कांति भाकुनी, श्रीमती देवकी बिष्ट, जानकी जोशी, सावित्री

ने अपने संबोधन में कहा कि आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष के बाद उत्तराखण्ड मिला है। देश को आजाद कराने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तरह ही उत्तर प्रदेश से अलग राज्य की मांग को लेकर लोगों ने कई यातनाएं झेली और तमाम समस्याओं का सामना किया। राज्य आंदोलनकारियों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मेयर ने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई जी के प्रधानमंत्रित्व काल में उत्तराखण्ड अलग राज्य बना। राज्य निर्माण के बाद उन्होंने उत्तराखण्ड को विशेष औद्योगिक पैकेज भी दिया। आज केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहां था कि आने वाला दशक उत्तराखंड का होगा जिसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लगातार काम किया जा रहा है निश्चित ही आगामी 2025 तक उत्तराखंड देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनेगा। इसे देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना हम सबका कर्तव्य है। इस अवसर पर पार्षद निमित शर्मा, सुशील चौहान, विनय विश्वास,सुनील कुमार, मोहम्मद अशफाक, विधान राय, सुशील यादव,भुवन गुप्ता, अमलेश कोली, कैलाश राठौर, डॉ राकेश सिंह, शालू पाल, मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता धर्म सिंह कोली, सुनील ठुकराल, राकेश सिंह, प्रीती धीर, आशा मुंजाल, कविता सागर, गिरीश राठौर, सत्यपाल गंगवार, जी के शर्मा, मनोज मदान, राजन राठौर, राजेंद्र राठौर, हैप्पी चौहान, चंद्रपाल, विशाल गंगवार, शिवम जग्गा, आदेश भारद्वाज सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

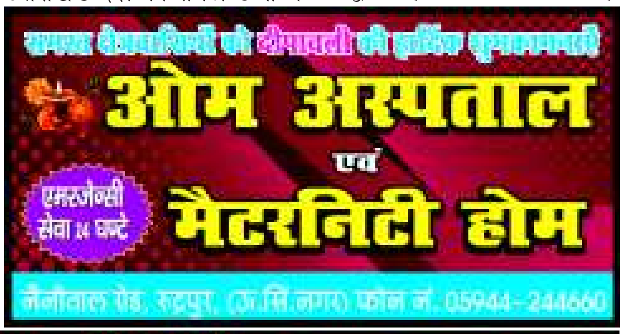

# धूमधाम से मनाई राज्य स्थापना दिवस की वर्षगांठ

## राज्य आंदोलनकारियों,किसानो,शिक्षकों,खिलाड़ियों व दिव्यांगों को सम्मानित किया,स्वयं सहायता समूहों को सौंपे चैक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। राज्य स्थापना दिवस की 23वीं वर्षगांठ जनपद में धूमधाम से मनाई गई। जनपद स्तरीय कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में सम्पन्न हुआ। विधायक शिव अरोरा, मेयर रामपाल सिंह, जिलाधिकारी उदयराज सिंह, एसएसपी मन्जूनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा सहित बीजेपी प्रदेश मंत्री विकास शर्मा तथा राज्य आन्दोलनकारियों व अन्य अधिकारियों द्वारा राज्य आन्दोलन में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों को नमन किया गया तथा राज्य आन्दोलनकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्याक्रम का शुभारम्भ राज्य आन्दोलन के दौरान खटीमा गोलीकाण्ड के शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में कड़े संघर्ष के बाद राज्य मिला है, राज्य की प्राप्ति के लिए आन्दोलन कारियों द्वारा अपने प्राणों की आहूती दी गई तथा जेल में अनेकों यातनाएं सही है और राज्य निर्माण में मातृ शक्ति ने बहुत बड़ा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि हमारी मातृ शक्ति ने राज्य निर्माण हेतु आधार शिला का काम किया है। उन्होंने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रवासी सोचते थे कि विकास होगा या नहीं,उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने मानवीय संवेदनाओं, मूल भावनाओं का सम्मान करते हुए राज्य गठन कर, आन्दोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य का तोहफा दिया। उन्होंने कहा कि एनडी तिवारी जी के विकास के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि राजनीति में जो भी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी को आदर्श मानतें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सिडकुल का नाम एनडी वितारी जी के नाम पर रख तथा उनकी मूर्ति की भी स्थापना की।उन्होंने कहा कि राज्य ने इन 23 वर्षों के सफर में बहुत कुछ पाया है और भी बहुत कुछ पाना बाकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देवभूमि से विशेष लगाव है और कई अरब रूपये की योजनाएं उत्तराखण्ड को दी है। उन्होंने कहा कि राज्य

में उद्योग पनपेंगे तो रोजगार के नए-नए अवसर भी पैदा होंगे, इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री आगे बढ़ रहे हैं और अब तक उद्योगपतियों के साथ लगभग 1.24 लाख करोड़ के एमओयू साइन हो चुके है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में आन्दोलनकारियों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण, नकल विरोधी कानून, धर्मान्तरण विरोधी कानून, नजूल नीति समान नागरिक संहिता सहित रूद्रपुर के विकास हेतु मल्टी लेवल पार्किंग, देवभूमि की सीमा पर संस्कृति पर आधारित गेट बनाने, रोड सौन्दर्यकरण, खेल मैदान, मेडिकल कॉलेज आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण की मोनीटरिंग हेतु एयरपोर्ट मॉनिटरिंग कमेटी में उन्हें डिप्टी चेयरमैन बनाया गया है।मेयर रामपाल सिंह ने कहा कि खटीमा गोलीकांड की बरबरता को अपनी आंखों से देखा हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों को साकार करने की दिशा में बहुत सारी उपलब्धियां राज्य ने हासिल की हैं और अभी लम्बा सफर तय करना बाकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के द्वार के तहत नजूल पर मालिकाना हक की पहल की गई है जिसके अन्तर्गत एक-एक व्यक्ति के दरवाजे पर जाकर ही निःशुल्क पत्रावलियां तैयार कराई जा रही हैं जिसमें सम्बन्धित गरीब व्यक्ति का एक भी रुपया खर्च नहीं होता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नजूल भूमि पर काबिजों को मालिकान हक दिलाने के सपनो को साकार करने में जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों द्वारा जिन अपेक्षाओं आकांक्षाओं को लेकर राज्य गठन हेतु आन्दोलन किया गया था उनकी भावनाओं के अनुरूप निरंतर कार्य किये जा रहे है। उन्होने कहा कि चहुमुखी विकास हेतु प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देना होगा। बीजेपी प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, राज्य आन्दोलनकारी हरीश पनेरू आदि द्वारा भी अपने-अपने विचार रखे गये। कार्यक्रम में कृषि, उद्यान, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, स्वास्थ्य, पशुपालन, मत्स्य, पुलिस, वन, शिक्षा, डेरी, स्वंय सहायता समूह, बाल विकास, रेशम, गन्ना, पंचायतीराज, उरेडा, सेवा योजन, सहकारिता, पुलिस विभाग की ओर से उपवा उत्सव से सम्बन्धि सहित 32 विभागों द्वारा स्टाल लगाकर अपने-अपने विभाग से सम्बन्धि योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र व्यक्तियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्र में अच्छे कार्य करने वाले यथा- 6 प्रगतिशील किसानो, 28 पर्यावरण पर्यवेक्षकों, 11 शिक्षकों सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों आदि को सम्मानित किया गया एवं काजल स्वंय सहायता समूह को पांच लाख का चैक, 07 महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, एक को टाई साईकिल, दो को कृतिम पैर, दो को कैलीपर, एक को कान की मशीन आदि वितरीत किये गये।कार्यक्रम में जिलाधिकारी उदयराज सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, ब्लाक प्रमुख ममता जल्होत्रा, एडीएम अशोक कुमार जोशी, जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ओसी डा अमृता शर्मा, प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, राज्य आन्दोलनकारी हरीश पनेरू, अनिल चौहान, बलराज सिंह राज, सुनील चौहान, अवतार सिंह बिष्ट, पीसी जोशी, कांति भाकुनी, सावित्री जोशी आदि उपस्थित थे।

# भैया दूज तक विद्युत कटौती नहीं होगी और दोपहिया वाहनों का नहीं कटेगा चालान

## विधायक अरोरा ने ली विद्युत विभाग की बैठक, एसएसपी से की वार्ता

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। विधायक शिव अरोरा कई महत्वपूर्ण विषयों को लेकर विद्युत खण्ड कार्यालय रुद्रपुर में अधिक्षण अभियंता शेखर चन्द्र त्रिपाठी के साथ बैठक की। बैठक में विधायक अरोरा ने स्पष्ट रूप से कहा कि दीपावली व अन्य त्यौहारों के दृष्टिगत भैया दूज तक विद्युत कटौती न हो इस पर विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि दीपावली हिन्दू समाज का एक बड़ा त्योहार होता है जिसको लेकर व्यापारी वर्ग हो या सामान्य परिवार से लेकर हर छोटे से छोटे व्यवसायी की आजीविका जुड़ी होती है साथ ही प्रकाश के इस पर्व पर प्रकाश का दायित्व हमारे विद्युत विभाग के पास है तो विद्युत कटौती त्योहार के दृष्टिगत न हो इसको विभाग सुनिश्चित कर लें। विध ायक अरोरा ने कहा कि विभाग 24 घण्टे अलर्ट मोड में रहे बिना वजह किसी भी प्रकार की कटौती न हो। अगर कटौती होती है तो उसको अविलंब सही किया जाये।इसके साथ ही विधायक शिव अरोरा ने कहा कि विधानसभा रुद्रपुर में विगत कई वर्षो यानी 2006 से कोई नया बिजलीघर नही बना और ग्रामीण क्षेत्र में दानपुर बिजली घर है उस पर यहाँ की आबादी के विस्तार के साथ ही अत्यधिक भार हो गया है। ग्रामीण क्षेत्र में एक नये बिजली घर के निर्माण हेतु विद्युत विभाग प्रस्ताव बनाकर दें वह स्वयं एक समय अंतर्गत के अंतर्गत जमीन चिन्हित करने हेतु जिला अधिकारी से लेकर हर स्तर पर वार्ता कर इसके निर्माण के रास्ते को जल्द से जल्द सुनिश्चित करवाएंगे। विधायक ने कहा जमीन दिलवाने का कार्य विभाग को वह स्वयं करवाएंगे। जिला मुख्यालय के साथ औद्योगिक क्षेत्र होने के साथ यहां की आबादी भी बढ़ गयी है इसलिए बिजलीघर के निर्माण की अनिवार्य रूप से आवश्यकता है जिसका रास्ता जल्द ही हम निकाल लेंगे। जिससे दानपुर क्षेत्र में इसका भार न पड़े। विधायक ने दीपावली के दृष्टिगत एसएसपी मंजूनाथ टीसी से दूरभाष पर बैठक के दौरान वार्ता की। उन्होंने त्यौहार के दौरान दोपहिया वाहनों के चालान न काटने के निर्देश दिये। जिसपर एसएसपी डा.मंजूनाथ टीसी ने सहमति जताई। इस दौरान अधिक्षण अभियंता शेखर चन्द त्रिपाठी, एक्सीयन कार्की, एसडीओ अंशुल मदान, प्रकाश शाह, जेई सुभाष शर्मा, पारुल चौधरी, सतेंद्र जोगियाल, व भाजपा नेता सुरेश कोली, सशील गाबा, सुनील यादव,मयंक कक्कड़,मनोज मदान, वासु, सोनू व अन्य लोग मौजूद रहे।

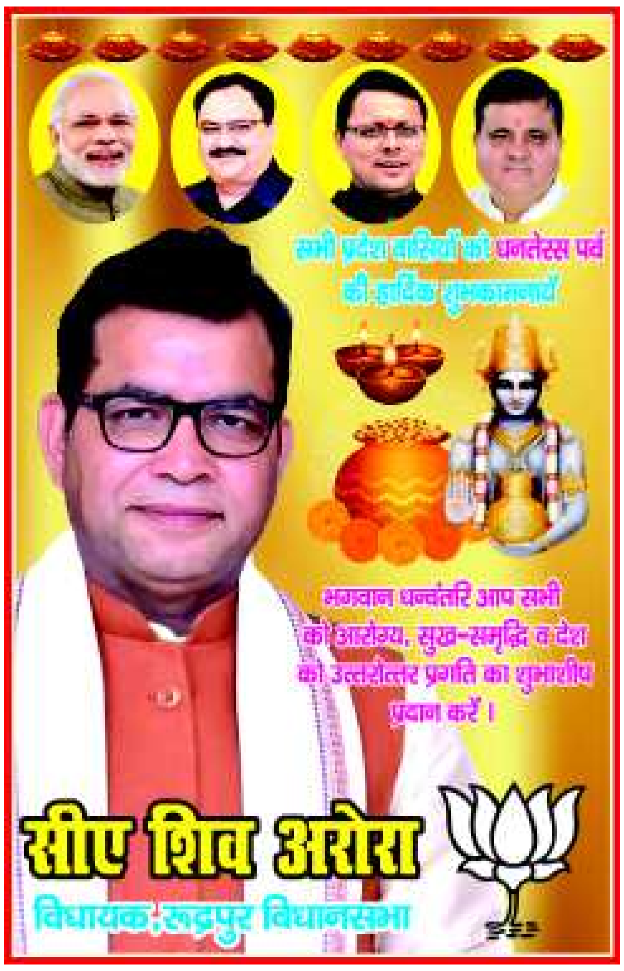


# चुघ ने किया अमृता व पल्लवी को सम्मानित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक भारत भूषण चुघ ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक से पुरुस्कृत छात्रा ग्राम बागवाला निवासी अमृता शुक्ला पुत्री डा. हरिद्वार शुक्ला तथा श्रीमती अस्मिता शुक्ला व पल्लवी ठुकराल पुत्री राधे रमन ठुकराल व रेनू ठुकराल को उनके आवास पहुंचकर बुके भेंट कर ,पगड़ी पहनाकर तथा चुनरी ओढ़ाकर स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। श्री चुघ ने कहा कि अमृता शुक्ला तथा पल्लवी ठुकराल को पंतनगर विश्वविद्यालय के पैंतीसवे दीक्षान्त समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा 2022-23 के अकेडमी सत्र में स्वर्ण पदक प्रदान कर पुरस्कृत किया। अमृता शुक्ला को बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (मेकेनिकल इंजीनियरिंग) में स्वर्ण पदक प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। जबकि पल्लवी ठुकराल को बीटेक इंर्फामेंशन टेक्नोलोजी में उच्चतम अंकों में पहला स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त कर छात्रा अमृता शुक्ला तथा पल्लवी ठुकराल ने सम्पूर्ण क्षेत्र का नाम रोशन किया है। श्री चुघ ने अमृता शुक्ला व पल्लवी ठुकराल के राष्ट्रपति से पुरस्कृत होने पर उसके माता पिता सहित सभी परिजनों को बध ाई दी। इस मौके पर यश ठुकराल, शुभम ठुकराल, रामगोपाल ठुकराल, माधव ठुकराल, पूजा ठुकराल, शमिता ठुकराल, लीलावती शुक्ला, अमिताभ शुक्ला, ग्राम बागवाला उप प्रधान योगेश तिवारी, राज कोली आदि मौजूद थे।

# एसपी सिटी ने पुलिस टीम के साथ किया बाजारों का निरीक्षण

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। आगामी धनतेरस एवं दीपावली पर्व में सुरक्षा के दृष्टिगत एसपी सिटी हरबंस सिंह ने नगर के कई बाजारों का किया निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधीनस्थों को सतर्क दृष्टि रखे जाने जनमानस के सुरक्षा की दृष्टिगत नगर के बाजार क्षेत्र का भ्रमण किया गया और अनियमितता पाए जाने पर कुछ दुकानदारों को उन्हे सही किए जाने हेतु कड़ी हिदायत भी दी गई। एसपी सिटी ने बाजार का निरीक्षण करते हुए दुकानदार को सुरक्षा के सभी पुख्ता

एवं अनियमितता पाए जाने पर दुकानदारों को कड़ी हिरायत देने को कहा। धनतेरस व दीपावली त्योहार के दृष्टिगत स्थानीय बाजारों में लोग जमकर खरीदारी के लिए निकलते है। जिनकी सुरक्षा के दृष्टिगत एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा द्वारा जनपद के समस्त अधीनस्थ पुलिस अधिकारी गणों को अपने-अपने स्थानीय बाजार क्षेत्र अंतर्गत पुलिस की गश्त बढ़ाने जाने एवं भीड़भाड़ वाले स्थानो में वर्दीधारी एवम सादे वस्त्रों में भी पुलिस कर्मियों को तैनात किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में हरबंस सिंह एसपी सिटी द्वारा आम इंतजाम रखने के दिए सख्त निर्देश। प्रत्येक दुकानदारों को आतिशबाजी की दुकानें खुले मैदान में प्रशासन द्वारा चयनित स्थानों पर ही लगाये जाने हेतु निर्देश दिए। दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों में लगाए हुए सीसीटीवी कैमरों को चालू स्थिति पर रखने के निर्देश भी दिए। स्थानीय दुकानदारो एवं आम जनमानस को अवगत कराया गया कि संदिग्ध व्यक्ति देखने पर तत्काल स्थानीय पुलिस या डायल 112 पर कॉल कर सूचना दे। उनके द्वारा अधिनस्थों को चेन स्नेचिंग एवं टैपबाजों पर सर्तक दृष्टि रखने के भी निर्देश दिए गए।

# गोल्डन एजेन्सी में खरीददारी के लिए लगी भीड़

## आकर्षक रंग के डिजाईनों की स्टील,प्लास्टिक तथा कांच से निर्मित क्राकरी खरीदने के लिए भारी डिमांड

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। धनतेरस पर्व पर आज आवास विकास में गगन ज्योति बारात घर के पास स्थित क्राकरी एवं होम एप्लायंस के विशाल प्रतिष्ठान गोल्डन एजेंसी में ग्राहकों ने खरीददारी में खासा उत्साह दिखाया। धनतेरस के मौके पर प्रतिष्ठान को भव्य रूप से सजाया गया है। दीपावली पर्व पर मित्रों, संस्थान के कर्मियों या परिचितों को दीपावली उपहार देने के लिए ग्राहकों की भीड़ प्रात: से ही लगनी शुरू हो गई थी जो समाचार लिखे जाने तक निरन्तर जारी थी। प्रतिष्ठान में कई प्रतिष्ठित कम्पनियों की क्राकरी तथा होम एप्लायंस की नई वेरायटी के प्रति

खरीददारी करने को लोगों का रूझान दिखाई दिया। प्रतिष्ठान स्वामी किशोर अरोरा ने बताया कि प्रतिष्ठान में ब्राडंडेड कम्पनियों की क्राकरी एवं होम एप्लायंस सामान की काफी बढ़ी रेंज को देखकर ग्राहक बहुत उत्साहित हो रहे हैं। ग्राहकों ने प्रतिष्ठित कम्पनियों की मिक्सी, कूकर, मोल्डेड चेयर, टिफिन, गैस चूल्हा, कांच एवं स्टील के बर्तन, ओवन, प्लास्टिक के गमले, टब, बाल्टी, कपड़े सुखाने का स्टेंड सहित दैनिक उपयोग की कई सामान की खरीद में काफी रूचि दिखाई। आकर्षक रंग डिजाईनों की स्टील,प्लास्टिक तथा कांच से निर्मित क्राकरी को खरीदने के लिए ग्राहकों के पास कई विकल्प मौजूद हैं। वह अपनी जरूरत के अनुरूप खरीददारी कर रहे हैं। श्री अरोरा ने बताया कि दीपावली उपहार देने के लिए ग्राहकों द्वारा खरीदे गये सामान को आकर्षण पैकिंग में पैक कर दिया जा रहा है।

## उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

### जनप्रतिनिधियों के आपराधिक मामले

संसद और विधानसभाओं को आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों से मुक्त करने के लिए बातें करने में शायद ही कभी कमी की गई हो, मगर जमीनी स्तर पर क्या किया गया है, वह विधायिका में ऐसे प्रतिनिधियों की मौजूदगी से पता चलता है। हालत यह है कि ऐसे नुमाइंदों पर जो मुकदमे चलते रहते हैं, उनकी सुनवाई की रफ्तार भी ऐसी होती है कि वर्षों तक उनके सांसद या विधायक बने रहने की स्थिति पर आंच नहीं आती। ऐसे दागी जनप्रतिनिधियों के मुकदमों के निपटारे को लेकर अक्सर सवाल उठने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन सकी है। हालांकि इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय पहले भी चिंता जता चुका है, मगर गुरुवार को अदालत ने फिर इसे लेकर सख्त रुख अख्तियार किया और सांसदों–विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले के जल्द निपटारे पर कई दिशानिर्देश जारी किए। शीर्ष अदालत ने निचली अदालतों को एक जैसा दिशानिर्देश देने को मुश्किल बताया, लेकिन यह साफ कहा कि ऐसे मामलों के लिए उच्च न्यायालयों में एक विशेष पीठ गठित की जाए; निचली अदालतें सांसदों–विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की निगरानी के लिए स्वत: संज्ञान लें। दरअसल, ऐसे ज्यादातर मामलों में लेटलतीफी देखी जाती रही है और कई बार इसका मजबूत कारण नहीं होता है। इच्छाशक्ति के अभाव में मुकदमे लंबे समय तक लटकते रहते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाई कोर्ट आपराधिक मामलों में सांसदों–विधायकों के खिलाफ मुकदमों की स्थिति पर रिपोर्ट के लिए विशेष निचली अदालतों को बुला सकते हैं। कहा जा सकता है कि इस समस्या को लेकर लंबे समय से सिर्फ चिंता जताने से आगे अब सुप्रीम कोर्ट के ये निर्देश समाधान की ओर बढ़ते कदम हैं। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार और संबंधित महकमे इन दिशानिर्देशों पर अमल के लिए कितनी इच्छाशक्ति रखते हैं। अपराध की दुनिया से चल कर संसद और विधानसभाओं में पहुंचने वाले लोगों की वजह से समूची व्यवस्था के दूषित होने को लेकर जताई जाने वाली चिंता के समांतर एक सवाल यह है कि इस प्रवृत्ति को खत्म करने के लिए जमीनी स्तर पर क्या किया जा रहा है। देश की राजनीति में हाथ आजमा कर संसद और विधानसभाओं में पहुंचने वाले आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के आंकड़े अक्सर सामने आते रहते हैं। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स यानी एडीआर ने अपनी एक रपट में बताया था कि करीब चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप वाले मामलों की संख्या पच्चीस फीसद है। उच्चतम न्यायालय की ताजा सख्ती के बाद अगर कोई ठोस पहलकदमी होती है, एक व्यवस्था बनती है तो इनसे संबंधित मुकदमों का त्वरित निपटारा हो सकता है। मगर सवाल है कि अपराधों में लिप्त रहने के स्पष्ट आरोपों के बावजूद सांसद या विधायक बनने के लिए चुनाव लड़ने की इजाजत से संबंधित नियम–कायदों के रहते इस समस्या से कैसे पार पाया जा सकेगा! हत्या या बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के कई आरोपी बाकायदा किसी मुख्यधारा की पार्टी से टिकट लेते हैं, नामांकन के दौरान स्पष्ट घोषणा के साथ चुनाव लड़ते हैं, लेकिन उन्हें राजनीतिक दलों से लेकर चुनाव आयोग तक की ओर से रोका नहीं जा पाता। जाहिर है, आपराधिक छवि के लोगों को चुनाव लड़ने से रोकने को लेकर स्पष्ट नियम–कायदे तय किए बिना संसद और विधानसभाओं को दागी नुमाइंदों से मुक्त करना मुश्किल बना रहेगा।

# जो नकली है, दिखावा है, उसे त्याग दो तो हर दिन दीवाली

अगर धर्म वास्तव में ये है – ईमानदार, बोधपूर्ण, एकांत तो क्या ये त्योहार के दिन हमें और धार्मिक बनाते हैं या ये वास्तव में हमारी बची हुई धार्मिकता का भी हनन कर लेते हैं? त्योहारों के इन दो–तीन दिनों में, हम आमतौर पर जैसे

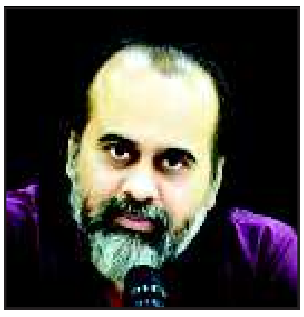

रहते हैं उससे भी कम धार्मिक नहीं हो जाते क्या? हम पूरा साल जिस तल पर रहते हैं ये दो–तीन दिन आते हैं तो उससे और नीचे नहीं गिर जाते हैं? धर्म का उत्सव मनाने में हम धर्म से और दूर हो जाते हैं। आज में दिवाली का दिन वो है जिस दिन 'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत:' जब धर्म की जम के हानि हो रही है तो क्या आज का उत्सव भी वैसा नहीं होना चाहिए जैसे मोहर्रम का होता है कि छाती पीटी जा रही है? आज का दिन वास्तव में उत्सव मनाने का है या अपने आस पास हो रही धर्म की क्षति को देखने का है? लेकिन हम 'हैप्पी दिवाली' बोलने से बाज नहीं आएँगे। दिये की रोशनी से अंधों को क्या मिलेगा? आज यदि 'सामूहिक चेतना' जैसी कोई चीज होती है तो उसमें त्योहारों के दिन एक जबरदस्त गिरावट आ जाती है। जैसे पूरे देश ने दारु पी ली हो एक साथ। ये जो त्योहारों का समय होता है उसमें देश की जो औसत चेतना स्तर है वो तीस–चालीस प्रतिशत गिर जाती होगी या और ज्यादा। ये काम कर रहे हैं हमारे त्योहार–आदमी तो वैसे भी नशे में रहता है उसे और ज्यादा नशे में डाल दो। हमारे लिए त्योहारों का मतलब है परिवारों के साथ रहना तो इसीलिए आज ये त्यौहार एक सामाजिक साधन मात्र बन गए हैं। ये धार्मिक तो कहीं से नहीं है। वास्तव में आज त्योहारों का जो प्राथमिक लक्ष्य है वो व्यक्ति है ही नहीं, वो सामाजिक है, वो समाज को याद रखना है। तुम कहीं भी काम कर रहे हो, कुछ भी कर रहर हे हो, तुम्हें उस दिन अपने परिवार के पास होना है, तुम्हें उस दिन अपने सारे रिश्तेदारों को, दोस्तों को ये संदेश वगैरह भेजने हैं। ये ईश्वर की इच्छा नहीं है, ये समाज की इच्छा है। समाज ये चाहता है कि आज के दिन तुम्हें अपने सामाजिक बंधनों को मजबूत और करना है। क्या ये दिन तुम्हें समाज से मुक्ति देता है या ये दिन तुम्हें और गहराई से बंधनों में जकड़ देता है। अधिकांशत: जो चीजें की जा रही हैं उसमें कोई तत्व नहीं है, कोई समझ नहीं है। पर क्या हमको यहाँ तक दिखाई देता है कि अधिकांश जो हो रहा है वो मात्र मूर्खताएँ हीं नहीं बल्कि विषैला है। दिवाली पर कोई तुमको बोले, "आपकी दिवाली मंगलमय हो! और आप भी उसे ऐसा ही संदेश भेजें कि आपकी दिवाली भी मंगलमय हो तो तुम्हें दिख रहा है कि ये मूर्खता है और दूसरे मौके पर तुम्हें क्यों नहीं दिखाई दे रहा कि महामूर्खता है। इस मौके और उस मौके में अंतर क्या है? आज भी जो बंदा काम कर रहा है वो एक सामाजिक काम कर रहा है, उसको पता है इस अवसर पर ऐसा होना चाहिए। तुम्हें भी पता है एक अवसर है, उसमें ऐसा होना चाहिए। ये प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है पूछना कि त्यौहार के दिन जब भी ये सब चारों ओर हो रहा होगा और उसमें आपको भी शामिल करने की कोशिश की जा रही होगी तो आप का धर्म क्या है? त्योहारों में या तो आप फिर से गुलाम बन जाएंगे जैसा कि आप अपने जीवन में आज तक बनते आए हैं या दिवाली ही वो दिन है जिस दिन आप देख सकते हैं कि आप धर्म को बचाने के लिए क्या कर सकते हैं? जैसे दूसरे लोग कहते हैं कि दिवाली का दिन महत्वपूर्ण है, तो हाँ महत्वपूर्ण तो है पर दूसरे अर्थ में। अब वो हमें तय करना है कि किस अर्थ में महत्वपूर्ण है? चारों तरफ से नकली धर्म, रीति–रिवाज आपको फिर से अपनी गिरफ्त में लेने की कोशिश करेंगे। इधर उधर से सत्तर इशारे आ जाएँगे ये बताते हुए कि कुछ खास है। बिल्डिंग्स पर झालर लटक रही होगी, दुकानों पर मिठाइयाँ और सेल, लोग सड़कों पर घूम रहे होंगें, क्या पता बीच–बीच में बम के फटने की भी आवाजें आ रही होंगी। अब उसमें हमें पूछना पड़ेगा कि इस सब में मुझे क्या करना है? हाँ, ठीक है मैं जा कर के पूरे जमाने की आग नहीं बुझा सकता, वो मेरी फिजिकल लिमिटेशन है लेकिन जो मेरे ही जीवन में है, मौजूद हैं, घुसे हुए हैं वो जब मेरे पास आते हैं और मुझसे यही बातें करेंगे तो मेरा फर्ज क्या है? मुझे क्या करना चाहिए? उस मूर्खता का हिस्सा बन जाना चाहिए? बल्कि अपनी उपस्थिति से उसमें चार चाँद लगाने चाहिए? लो तुम तो हो ही, मैं और आ गया और इस प्रकार इसे और वैध्यता दे दो। निश्चित ही कर दो कि इस तरह का व्यवहार जीवन भर चलेगा। तुमने उसकी सहायता की या उसे और अंधकार में धकेल दिया? ये तुम्हें ईमानदारी से अपने आप से पूछना चाहिए। आप जो चारों तरफ देख रहे हैं, वो पूर्णतया डर का नाच है। आपको क्या लगता है ये जो लोग मॉल्स में खरीदारी कर रहे हैं क्या वो वाकई उल्लास मना रहे हैं? ये सब बस डर का नाच है। गीता में एक आता है कि 'सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज'। सारे धर्मों को छोड़ दे अर्जुन! मेरी शरण में आजा। यहाँ मेरी से मतलब है– आत्मन की। जिस भी किसी आदमी को समझ में आता है न, उसे ये कहना ही पड़ता है कि सारे धर्मों को छोड़ दो क्योंकि तुम जितने भी धर्मों का पालन कर रहे हो वो सारे नकली हैं। कृष्ण जी अर्जुन को धार्मिक इसी अर्थ में बना रहे हैं कि उससे सारे धर्मों को छोड़ देने को कह रहे हैं और ये सबसे बड़ी धार्मिकता है सारे धर्मों को छोड़ दो। मुहम्मद साहब ने और क्या करा था? जितने धर्मों का पालन करा जा रहा था अरब में उन सारे धर्मों को नष्ट करा था। काबा मोहम्मद साहब से बहुत पहले का है। काबा में हजार कबिले के देवताओं की पूजा की जाती थी। मुहम्मद साहब ने वो सब बन्द कराई थी कि "ये सब क्या बेवकूफी है! बन्द करो! एक है अल्लाह बस वही है। ये जो इतने सारे ये तुमने क्या नाटक लगा रखा है? वास्तविक धर्म इसी में है कि ये जो धर्म हैं बहुत सारे इनको बिल्कुल खंडित किया जाए, 'सर्वधर्मम परित्यज्य' सारे धर्मों का त्याग कर अर्जुन और वही धार्मिकता है। अब सवाल हमारे सामने है कि दीवाली आने वाली है, क्या हमारे में इतनी हिम्मत है कि सब नकली चीजों को ना करके अपना जीवन में असली और पूर्ण को ला पाएं? ये जो नकली धार्मिकता है इसका त्याग कर सकें? और वो हिम्मत जुटाने की नहीं होती है? वो हिम्मत देखने की होती है, समझने की होती है। ये समझा जाए कि एक ही जीवन है, और समय कीमती है और बहुत कीमती है तो फिर आप उसको खोना बर्दाश्त नहीं करोगे और जब आपके मन में लालच नहीं होता तो आप फिर ये भी नहीं कहते कि मेरा कुछ छिन जायेगा। ये बात समझने के लिए हमें हिम्मत नहीं चाहिए, हमें बस एक रियलाईजेशन चाहिए, तो अब जिसका भी संदेश आए उसे कहिए कि हाँ, दिवाली का दिन बेशक शुभ है। लेकिन उत्सव मनाने से डरो मत! जाओ और पूर्ण रूप से उत्सव मनाओ!

**– आचार्य प्रशांत संस्थापक, प्रशांतअद्वैत संस्था, वेदांत मर्मज्ञ, पूर्व सिविल सेवा अधिकारी**

# विरासत में भारतीय नौसेना बैंड ने दी अद्भुत प्रस्तुति

देहरादून (उद संवाददाता)। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2023 के 14वें दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ रीच विरासत के महासचिव श्री आर.के.सिंह एवं अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति में अभिषेक बोरकर द्वारा सरोद वादन किया गया। उन्होंने राग बिहाग के साथ अपना प्रदर्शन शुरू किया उसके बाद अभिषेक बोरकर की अगली प्रस्तुति राग तोड़ी में रूपक और तीन ताल में निबद्ध एक बंदिश रही। उनके संगत में पंडित शुभ महाराज जी ने तबला बजाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की दुसरी प्रस्तुति में पिउ मुखर्जी द्वारा हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने विभिन्न रागों और रचनाओं के माध्यम से एक मनोरम प्रस्तुति दी। राग जोग से शुरुआत करते हुए, उन्होंने एक ताल बंदिश से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और फिर आगे तीन ताल में बंदिश गाई।'' फिर उन्होने लयबद्ध राग खमाज में एक बंदिश प्रस्तुत की। पिउ जी के साथ तबला पर मिथिलेश झा, हारमोनियम पर धर्मनाथ मिश्र और तानपुरा पर शुभम जी ने संगत दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति में भारतीय नौसेना बैंड की प्रस्तुति हुई। इस प्रदर्शन का नेतृत्व प्रभारी मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर देव राज ने किया। बैंड ने "वैष्णव जनतो" गीत के साथ अपना प्रदर्शन शुरू किया, जिसके बाद उन्होंने "हम तैय्यार है (नेवल एंथम), "छोटी सी आशा," "बेडु पाको," "कर्नल बोगी", "द क्लाउन्स," "द फाइनल" गाने गाए गए। उलटी गिनती,'' 'बीते जमाने की आवाज,' 'अब्बा गोल्ड,' 'जय हो,' 'ढाई हाथ धमेली जैसे गीत गाए। बैंड के प्रतिभाशाली संगीतकारों ने सैक्सोफोन, शहनाई, मृदंगम, तबला और ट्रॉम्बोन जैसे वाद्ययंत्र बजाए। बैंड में 3–4 गायक भी थे जिन्होंने 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाना गाया और अंत में तीनों सेनाओं की मार्चिंग धुनों के साथ प्रदर्शन का समापन हुआ, जिससे दर्शक देशभक्ति की भावना से भर गए।

# यात्रा के बाद वापस लौटी राष्ट्रपति

देहरादून (उद संवाददाता)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु अपनी तीन दिवसीय उत्तराखण्ड यात्रा के पश्चात वापस दिल्ली रवाना हो गईं। राष्ट्रपति ने अपनी तीन दिवसीय उत्तराखण्ड की यात्रा के दौरान अनेक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया।

राष्ट्रपति ने आज सुबह पुलिस लाईन देहरादून में आयोजित राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन के बाद राष्ट्रपति सड़ध्क मार्ग से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंची। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, मेयर सुनील उनियाल गामा, मेयर श्रीमती अनिता ममगाईं, मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु, डीजीपी अशोक कुमार, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, सचिव विनोद कुमार सुमन एवं डीएम श्रीमती सोनिका ने राष्ट्रपति को विदा किया।

# रोशनी का पर्व दीपावली

कार्तिक मास की गहन अमावस्या को मनाया जाने वाला त्यौहार दीपावली भारतीय हिन्दू समुदाय का महत्वपूर्ण व लोकप्रिय त्यौहार भारतवर्ष ही नही वरन दुनियाभर के भारतीयों मे विशेष –हर्षोल्लास,आन्द के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार हमारी हिन्दू धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहर की एक प्रमुख पहचान है। 14 वर्ष के वनवास काटने के पश्चात हिन्दुओं के आराध्य प्रभु श्रीराम माता जानकी व लक्ष्मण सहित अपनी जन्मभूमि अयोध्या नगरी में पधारे थे। इस खुशी को भाव रुप मे जाहिर करने के लिये अयोध्यावासियो ने घी के दीपक जलाये थे, रंगोली बनाकर व दीपक की पंगतियों से पूरी अयोध्या नगरी व सरयू नदी के तट को सजाकर ,झूम गाकर अपनी आन्तरिक खुशी का इजहार किया था। इसी दिन विक्रमी संवत का आरम्भ माना जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई व निराशा पर आशा का संदेश देता है। इस दिन माता लक्ष्मी व गणेशजी की पूजा की जाती है। सफाई ,आदि कर घरों व प्रतिष्ठानों को कलरफुल लाईटो व सुंदर झालरों व खुशबूदार फूलों से व मोमबत्तियों व दीयों से सजाया जाता है। व्यापारी अपने बही–खाते बदलते है व लोग खरीदारी करते है। यह त्यौहार धनतेरस से लेकर भाईदूज तक चलता है लोग पड़ोसियो व रिश्तेदारो को मिठाई व तोहफे बांटते है।इस दिन कुछ लोग मदिरापान करते है व जुआं खेलते है इस दोष व बर्बादी से बचना चाहिए तथा कुछ लोग भीषण अतिशबाजी करते है जिससे बेजुबान जानवर डर जाते है व बुजुर्ग व मरीज परेशान हो जाते है व वायुप्रदूषण से भी बचने के लिए अतिशबाजी का प्रयोग नही करना चाहिये। निर्दोषूर्ण व सहजता व आपसी भाईचारे से मिलजुलकर इस त्यौहार को मनाना चाहिये तभी इसे मनाने की सार्थकता है।

**–नरेश छाबड़ा, रूद्रपुर**

# धन और स्वास्थ्य के अमृतधारी देव भगवान धनवंतरी

भगवान धनवंतरी की पूजा का ही पर्व धनतेरस है। यह पांच दिनों तक चलने वाले महापर्व दीपावली का प्रारंभ पर्व अर्थात प्रथम पर्व होता है। इसके बाद नरक चतुर्दशी, भाई दूज, गोवर्धन पूजा का पर्व भी क्रमानुसार पड़ता है। धनतेरस के दिन वस्तु क्रय करने की भी परंपरा है। इसीलिये आज के दिन बाजारों में बहुत भीड़भाड़ रहती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कहते हैं धनवंतरी भगवान समुद्र मंथन में निकले चौदह रत्नों में से एक थे। धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर निकले थे। धार्मिक मान्यता है कि धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी की पूजा करने से धन की वृद्धि होती है। साथ ही स्वास्थ्य में भी वृद्धि होती है। व्यापारी वर्ग धनतेरस के अवसर पर गद्दी सजाते हैं। इसके लिये वे पंडितों से शुभ मुहुर्त भी निकलवाते हैं। आज की संध्यावेला में यम को प्रसन्न करने के लिए दक्षिण दिशा की ओर दीपदान भी किया जाता है। रात्रि को तेरह दीप जलाने की परंपरा है। आज से ही दीप जलाने का नियम भी शुरू हो जाता है। दीप मिट्टी के बने होते हैं। धनतेरस से पटाखों की आवाज भी सुनाई देने लगती है। धनतेरस से तरह–तरह के पटाखों की आवाजें व चमकार की दीपावली में अपने पूरे शबाब पर होती है। धनतेरस के दूसरे दिन नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व अपने पितरों के श्राद्ध करने एवं उन्हें नरक से मुक्ति के लिये मनाया जाता है। इस दिन भगवान शंकर, हनुमान, विष्णु सहित अन्य देवताओं के पूजन अर्चन हेतु तालाब, चौराहा, गौशाला आदि चौदह स्थानों में दीप जलाया जाता है। प्राचीन मान्यता है कि नरक चतुर्दशी के दिन लक्ष्मी जी का वास तेल में होता है। इस दिन सूर्योदय के पूर्व तिल का तेल लगाकर स्नान करने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होती हैं। और लक्ष्मी का वास स्थायी होता है, जिससे घर की दरिद्रता दूर होती है। धनतेरस के दिन पहले लोग आभूषण तथा बर्तनों की खरीदी पर जोर दिया करते थे। अब सिर्फ परंपरा का निर्वाह ही दिखाई पड़ता है। धनतेरस पर खरीदी करना शुभ और बरक्कत मानते हैं। दुकानदारों द्वारा अपने प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढंग से सजाकर पर्व का स्वागत किया जाता है। लोग बाग भी अपने लीपे पुते चमकदार घरों में विद्युत बल्बों आदि से सजाकर उसे आकर्षक रूप प्रदान करते हैं। और महापर्व दिवाली के प्रथम दिवस से ही हर्षोल्लास और उत्सव में जुट जाते हैं।

**– सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'**

# महाविद्यालय में राज्य स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के तत्वाधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जिसके पश्चात महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति की सदस्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अपर्णा सिंह ने उत्तराखंड के मांगल गीत दैना होया खोली का गणेशा गाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। इसके पश्चात बीएससी प्रथम सेमेस्टर की सोनी पांडे और हर्षिता कंडारी के जय हो कुमायूं जय गढ़वाला गीत पर मनमोहक नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम काशुभारम्भ हुआ। इसके पश्चात बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा नीलाक्षी टम्टा ने चौता की चौतवाली गीत पर अपनी नृत्य कला का प्रदर्शन किया। शीतल, सुईता मंडल, साजिया और साबिन जहां ने मिश्री से मीठी बातां थारी गीत पर मनभावन प्रस्तुति दी। इसी क्रम में बीए प्रथम सेमेस्टर की रीना ने नरसिंह बाजे तुतरी बाजे गीत पर अपनी एकल प्रस्तुति दी। बीए प्रथम सेमेस्टर की ही डॉली गाडिया ने भी ढाई हाथे धमेली गाने पर अपनी एक प्रस्तुति के माध्यम से समां बांधा। बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा तानिया बिष्ट ने गुलाबी शरारा पर अपनी नृत्य की प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। समाजशास्त्र की छात्रा रिंकी विश्वास ने रंगीलो म्हारो डोलना पर एक शानदार राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रम को विविधता प्रदान की। इसी क्रम में ऋतु मंडल ने एक मनमोहक बंगाली नृत्य प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के सांस्कृतिक सचिव बीकॉम तृतीय वर्ष के छात्र कैलाश चौधरी, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा रिताक्षी छाबड़ा, बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र नीरज सिंह बिष्ट तथा सालेहा खातून ने राज्य स्थापना दिवस पर अपना भाषण प्रस्तुत किया। उत्तराखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने शिक्षकों और विद्यार्थियों का आहवान किया कि वे अपनी सम्पूर्ण क्षमता और ऊर्जा के साथ उत्तराखंड के विकास में अपना योगदान देने के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के युवा ही इस प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के अनुशासन की प्रसशा करते हुए उन्हें सदैव महाविद्यालय की यूनिफॉर्म में ही उपस्थित होने के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक समिति की संयोजक समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. हेमलता सैनी ने उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने उत्तराखंड राज्य की लोक संस्कृति के विविध रंगों की छटा बिखेरने के लिए बहुत कम समय की तैय्यारी में मंच पर सरलतापूर्वक प्रस्तुत करने के लिए छात्राओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्मेरी आन-बान-शान : उत्तराखण्डश विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बीए तृतीय वर्ष की प्रीति, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली बीएससी प्रथम वर्ष की निकिता तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बीकॉम तृतीय वर्ष के कैलाश चौधरी को प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम का संचालन समाज शास्त्र विभाग की छात्रा दिव्यांशी यादव और राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी बीए प्रथम वर्ष की अनामिका सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक , विद्यार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

# दिव्य दीपोत्सव में हजारों दीपों से जगमगाया तीर्थ द्रोणा सागर

काशीपुर(उद संवाददाता)। तीर्थ स्थल द्रोणा सागर पर भव्य दीपोत्सव का कार्यक्रम हुआ जिसमें नगर व क्षेत्र के हजारों स्त्री पुरुष शामिल हुए ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर श्री श्री1008स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज रहे जिन्होंने एकत्र जन समुदाय को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया। दीपोत्सव कार्यक्रम को रंगारंग बनाने के लिए पहुंचे कलाकार जूनियर देवानंद किशोर भानुशाली ने अपनी अदाओं से लोगों का खूब मनोरंजन किया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। काशीपुर पहुंचे स्वामी कैलाशा नंद जी महाराज और कलाकार किशोर भानुशाली का भव्य स्वागत किया गया। स्वामी कैलाशानंद जी ने मां सरस्वती की वंदना कर दीप प्रज्वलित किया और स्वस्ति वाचन के दौरान भगवान श्री राम माता जानकी लक्ष्मण और हनुमान जी को तिलक लगाकर उनकी पूजा अर्चना की और इसके बाद 31हजार दीपो की श्रृंखला शुरू हुई। अंधेरी रात में पूरा द्रोणा सागर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा जिसकी सुंदरता देखते ही बनती थी और ऐसा लग

रहा था जैसे भगवान राम के वनवास के बाद अयोध्या पधारने पर दीपों की रोशनी से रामनगरी सजाई गई थी। पूरे कार्यक्रम में जगह-जगह घूम कर डांस करते नजर आए हनुमान बजरंगबली का रोल भी सभी ने सराहा।काकार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा और स्थानीय विधायक त्रिलोक सिंह चीमा रहे। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक दीपक बाली हिंदू राष्ट्र शक्ति संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी एवं इस कार्यक्रम के प्रणेता संजय भाटिया ,विशिष्ट अतिथि गुंजन सुखीजा ,विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, संरक्षक मंडल के देवेंद्र अग्रवाल ,केपी सिंह, डा० दीपिका गुड़िया आत्रेय, मोहन बिष्ट, गुरबख्श सिंह बग्गा,सूरज सिंह अजय वीर यादव सहित नगर व क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद जी महाराज और कलाकार जूनियर देवानंद का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। स्वामी जी ने कार्यक्रम की भव्यता की खुलकर प्रशंसा की और कहा कि प्रभु के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम हर साल और बेहतर रूप ले। उन्होंने आयोजको को भी इस सुंदर आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम से पूर्व स्वामी कैलाशानंद जी भाजपा नेता और दीपोत्सव कार्यक्रम के मुख्य आयोजक दीपक बाली के रामनगर रोड स्थित आवास पर पहुंचे जहां श्री बाली की धर्मपत्नी श्रीमती उर्वशी दत्त बाली के साथ अनेक स्त्री पुरुषों ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वामी जी ने यहां आए भक्तगणों से मुलाकात की और उन्हें आशीर्वाद दिया। स्वामी जी ने कार्यक्रम के उपरांतरात्रि विश्राम श्रीबाली के निवास पर ही किया।

# संस्कार भारती ने मनाया दीपोत्सव

गदरपुर(उद संवाददाता)। कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती द्वारा बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर परिसर में दीपोत्सव मना कर सर्वत्र सुख समृद्धि की शुभकामना की गई। दीपोत्सव के दौरान संस्कार भारती के सदस्यों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित

करने के उपरांत भारतदेश का मानचित्र बनाकर उसमें द्वीप प्रज्वलित कर सजाए गए । इस दौरान राम प्रसाद ध्यानी,सुबोध शर्मा,रविंद्र बजाज,दीपक सुधा,विनोद चुघ,राजकुमार सुखीजा,अशोक भुड्डी,बलबीर सिंह,शिवम त्रिपाठी,पंकज सेतिया, महेश जी,विजयपाल,प्रेम जी,बच्चन यादव,सुभाष चंद्र शर्मा आदि शामिल रहे ।

# धूमधाम से मनाया राज्य स्थापना दिवस

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में उत्तराखण्ड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। जहाँ विद्यार्थियों द्वारा उत्तराखण्ड की संस्कृति को दर्शाते हुए रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए वहीं शिक्षक -शिक्षिकाओं द्वारा उत्तराखण्ड के विभिन्न व्यंजनों नींबू सान, आलू गुटके, पहाड़ी रायता भट्ट के डुबके, गहत की दाल आदि का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में रंगोली प्रतियोगिता व ऐपण प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया जिसमें ऐपण प्रतियोगिता में रेड हाउस प्रथम (रिद्धिमा ठगुराती, गर्विता चौधरी, मोनाली कुत्याल, वीरेन्द्र प्रताप सिंह) ब्लू हाउस द्वितीय एवं ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे तथा रंगोली प्रतियोगिता में रेड हाउस (प्रियल पाण्डे, प्रतिती साह, दिशिता पाण्डे, अर्पणा चन्द) व ब्लू हाउस (श्रेयसी पलानी, हिमानी बिष्ट, हिमांशी बिष्ट, रितिका पंत) प्रथम, ग्रीन हाउस द्वितीय एवं येलो हाउस तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री अनुराग माथुर एवं उप-प्रधानाचार्या श्रीमती ममता तनेजा ने उत्तराखण्ड की संस्कृति की महत्ता को बताते हुए उसे बनाये रखने के लिए कहा और साथ ही इंस्पिरेशन परिवार को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का संचालन सुश्री स्मिता पंत द्वारा किया गया। इस उपलक्ष पर सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

## पेज एक का शेष...

**अबकी बार छः दिनों का..**है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन- जायजाद की शुभ खरीदारी करता है, उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है इस दिन सभी चिकित्सक भी अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करते हैं । इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होती है और यह दीप अगले पांच दिनों तक जलाए जाते हैं। लोकाचार में इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। यही वजह है की धनतेरस के दिन लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदते हैं। इसी तरह रूप चतुर्दशी को महिलाएं अपना रूप निखारने के लिए प्रातः स्नान करती हैं और उसके बाद विधि विधान से पूजा पाठ की ओर अग्रसर होती है। कहा जाता है कि चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु ने माता अदिति के आभूषण चुराकर ले जाने वाले निशाचर नरकासुर का वध कर 16 हजार कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। परंपरा में इसे शारीरिक सज्जा और अलंकार का दिन भी माना गया है। इसीलिए इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में हल्दी, चंदन, सरसो का तेल मिलाकर उबटन तैयार कर शरीर पर लेप करने के बाद स्नान कर अपना रूप निखारेंगी। नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे-नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दीपावली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है। बात दीपावली पर पर्व की करें तो दीपावली को शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी, भगवान गणेश, मां सरस्वती और धन के देवता कुबेर की विधिवत पूजा-आराधना होती है। मान्यता है कि दीपावली की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और घर-घर जाकर ये देखती हैं कि किसका घर साफ है और किसके यहां पर विधिविधान से पूजा हो रही है? तत्पश्चात माता लक्ष्मी वहीं पर अपनी कृपा बरसाती हैं। दीपावली पर लोग सुख-समृद्धि और भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए माता लक्ष्मी की विशेष पूजा करते हैं। अथर्ववेद में लिखा है कि जल, अन्न और सारे सुख देने वाली पृथ्वी माता को ही दीपावली के दिन भगवती लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता है। कार्तिक अमावस्या का दिन अंधेरे की अनादि सत्ता को अंत में बदल देता है, जब छोटे-छोटे ज्योति-कलश दीप जगमगाने लगते हैं। प्रदोषकाल में माता लक्ष्मी के साथ गणपति, सरस्वती, कुबेर और भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। दीपावली के अगले दिन अर्थात गोवर्धन पूजा को अन्नकूट भी किया जाता है। इस त्योहार में भगवान कृष्ण के साथ गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा का विधान है। इसी दिन भगवान कृष्ण को 56 भोग बनाकर लगाया जाता है। दीपावली के अगले दिन राजा बली पर भगवान विष्णु की विजय का उत्सव है। ऋग्वेद में उल्लेख है कि भगवान विष्णु ने वामन रूप धरकर तीन पदों में सारी सृष्टि को नाप लिया था। श्रीकृष्ण ने इसी दिन देवेंद्र के मानमर्दन के लिए गोवध ' न को धारण किया था। इस दिन जगह-जगह नवधान्य के बने हुए पर्वत शिखरों का भोग अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। इसके अलावा भाई दूज कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि अर्थात गोवर्धन पूजा के बाद अगले ही दिन मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की मनोकामनाएं मांगती हैं। इस त्योहार को भाई दूज या भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया, भ्रातृ द्वितीया कई नामों से भी जाना जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार इस दिन यमुना ने अपने भाई यम को अपने घर पर भोजन करने के लिए आमंत्रित किया थायही वजह है कि आज भी इस दिन लोग अपने घर मध्याह्न का भोजन नहीं करते। रिवाज के अनुसार कल्याण और समृद्धि के लिए भाई को इस दिन अपनी बहन के घर में ही स्नेहवश भोजन करना चाहिए।

**गदरपुर के प्रभारी...**मारने की धमकी दी। जिस पर वह आफिस से बाहर निकल आये। डा. विवेक ने बताया कि डा. सरना पूर्व में भी दो बार उनके सााि और अन्य चिकित्सकों के साथ इस तरह की हरकत कर चुके हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के विरोध में स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक आज हड़ताल पर चले गये। मामले को लेकर चिकित्सकों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से भी शिकायत की है। डा. अंजनी कुमार, डा. विवेक सिंह, डा. राजीव कुमार, डा. अुजू गिरी ने लिखित शिकायत में कहा है कि प्रभारी चिकित्साधिकारी डा० सरना के व्यवहार से समस्त चिकित्सक बहुत परेशान है, वह अकसर स्टाफ व डाक्टरों के साथ बदसलूकी करते है, गाली गलौच करते है तथा जान से मारने की धमकी देते है। उनके द्वारा चिकित्सकों के आवास पर आकर गाली गलौच करना व आवास खाली कराने की धमकियां दी जाती है। जिस कारण उन्हें चिकित्सीय सेवाओं का बहिष्कार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। चिकित्सकों ने प्रभारी चिकित्साधिकारी का स्थानान्तरण अन्यत्र करने की मांग की है। उधर डा. सरना ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि उन्हें हटाने के लिए झूठे आरोप लगाकर उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है।

**घायल निजी अस्पताल ...**हाथ पैर सिर तथा कूल्हे की हड्डी में गंभीर चोटें आई। घायल युवक को नाजुक हालत में उपचार के लिए मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां शुक्रवार सुबह लगभग 6:30 बजे उसने जीवन मृत्यु से संघर्ष करते हुए दम तोड़ दिया। मृतक का दो वर्ष पूर्व ही विवाह हुआ था। पत्नी गर्भवती है। हर्ष कक्कड़ की कल यानी छोटी दीपावली के दिन मैरिज एनिवर्सरी है। घटना के बाद से मृतक परिवार में कोहराम मचा है। परिवार की दीपावली की खुशियां मातम में बदल गई। मृतक हर्ष कक्कड़ को मेडिकल लाइन से जुड़े हुए लगभग 6 वर्ष से अधिक का समय बीत गया। आरंभिक दौर में वह संजीवनी हॉस्पिटल से जुड़ा रहा इसके बाद उसने डॉक्टर विकास गहलोत के साथ आयुष्मान हॉस्पिटल का संचालन किया। तदोपरांत गवर्नमेंट हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर मेडिकल स्टोर चलाया। लगभग एक वर्ष पूर्व मेडिकल स्टोर छोड़ने के बाद हर्ष कक्कड़ ने खटीमा में अपने एक साथी के साथ पार्टनरशिप में आनंद हॉस्पिटल का संचालन शुरू किया। घटना वाले दिन वह अपनी क्रेटा कर से आनंद हॉस्पिटल जा रहा था।

**धनतेरस पर बाजार...**गया है। अधिकांश प्रतिष्ठान ग्राहकों से भरे रहे। धनतेरस पर्व पर जहां सामान्य वर्ग के परिवारों ने कपड़े, विद्युत सामान, बर्तन, पूजा सामग्री, सजावटी सामान, मिठाई खरीदने में ज्यादा रूचि दिखाई तो वहीं सम्पन्न परिवार दो पहिया व चार पहिया वाहन तथा सोने चांदी के जेवर, परिचितों को देने के लिए उपहार खरीदते दिखाई दिये। पर्व के चलते बाजार में लोगों की सुरक्षा एवं सुगम यातायात के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा पूरी व्यवस्थाएं की गई थी। बाजार में वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया था।

**हादसे में दो ...**लिए जा रहा था। संभावना जताई जा रही है कि तेज रफ्तार बाईक ने ट्रक चालक और उसके साथी को टक्कर मारी है जिसके चलते हादसा हुआ है। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

**संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा**
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
**सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र**
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
**E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in**
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान, जहाँ विश्वास है विश्वास का साथ।
हर ख्वाब को साकार करें, गुरु माँ के साथ

23% कैश बैक

अब LED TV मात्र ₹990 की मासिक किस्त में घर लायें

50% तक की छूट

1 आप फायनांस कराएं किस्त हम देंगे

0 ब्याजमुक्त फाइनेंस पर
मनपसंद उत्पाद घर ले जाएं शेष राशि आसान ब्याज मुक्त मासिक किस्तों पर सुरक्षा
BAJAJ FINSERV | HDB FINANCIAL SERVICES | HDFC BANK | SAMSUNG Finance+

गुरू मां उत्पादों पर अतिरिक्त वारंटी @290/- से

FAST DELIVERY
आज का आज !
सबसे तेज डिलीवरी एवं इंस्टॉलेशन

पुराना लाएं नया ले जाएं
पुराने की अच्छी कीमत पर

— सभी प्रतिष्ठित ब्रांड एक ही छत के नीचे उपलब्ध —

SAMSUNG | Whirlpool | SONY | IFB | VOLTAS | BOSCH | Haier | DAIKIN
MITSUBISHI ELECTRIC | AMSTRAD | SANSUI | PHILIPS | dyson | FABER | BLUE STAR
USHA | TOMASHI | Symphony | EUREKA FORBES | KENT | DELL | hp | JBL

जैसे आपकी ख्वाहिशें, वैसी हमारी सेवाएं, सपनों को साकार करें

गुरू मां Guru Maa Electronics

रुद्रपुर : काशीपुर बाईपास (9690282777, 9756233166)
सिविल लाईन्स (9927882338), सोनी सेन्टर (9917170230)

Rudrapur | Haldwani | Haridwar | Kashipur | Moradabad | Gadarpur | Kichha | Lohaghat | Dehradun | Panipat | Karnal